शिव की अर्धांगिनी | By Ayushi Mishra

तेरे सिवा कौन मुझको सम्भाले
है प्रार्थना मुझको अपना बना ले
तेरे दरस की हूँ प्यासी, जन्मो से हूँ तेरी दासी
मैं शिव की पुजारन, मैं शिव को ही अर्पण
भोले ....

जबसे तेरा प्रेम जागा और ना कहीं मन ये लागा
जप तप सब मैं करुँगी, तेरी मैं बन के रहूंगी
मैं शिव की पुजारन, मैं शिव को ही अर्पण
भोले ....

जग से मैं बैराग लुंगी, श्वांस को भी त्याग दूंगी
तुझ बिन भला क्यों जियूं मैं
ये हलाह कैसे पियूं मैं
मैं शिव की पुजारन, मैं शिव को ही अर्पण
भोले ....

आज से तेरी संगिनी मैं, अब से शिव अर्धांगिनी मैं
हूँ अबसे तेरी परछाई रहूंगी मैं तुझमे समाई
मैं तेरी पुजारन, करू मैं समर्पण
भोले ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-ayushi-mishra/